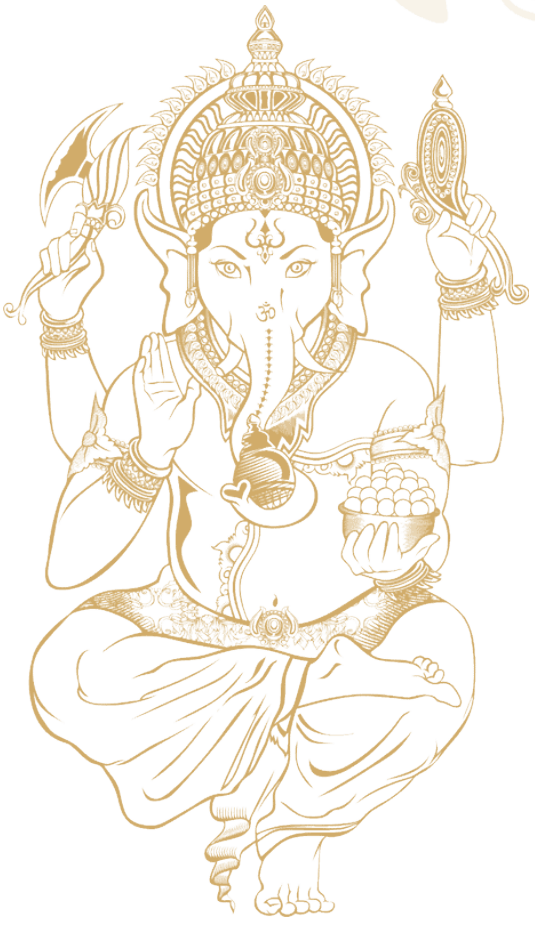

Sujal

Akirti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121803610

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/12/1995	जन्म तिथि	10/12/1997
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 23:32:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 42:57:48	जन्म समय(घटी)	27:57:45 घटी
India	देश	India
Gaya	स्थान	Mandi
24:48:00 उत्तर	अक्षांश	31:43:00 उत्तर
85:00:00 पूर्व	रेखांश	76:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:00	स्थानिक संस्कार	-00:22:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:52	सूर्योदय	07:11:23
17:00:47	सूर्यास्त	17:18:53
23:48:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 4वर्ष 9मा 13दि		18:35:17	सिंह	लग्न	वृष	29:35:49	केतु 3वर्ष 1मा 8दि	
गुरु		20:20:17	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	24:38:37	सूर्य	
19/09/2025		16:57:05	वृष	चंद्र	मेष	07:24:50	18/01/2021	
19/09/2041		10:53:06	धनु	मंगल	मक	00:06:55	19/01/2027	
गुरु	07/11/2027	27:49:23	वृश्चि	बुध व	धनु	08:49:55	सूर्य	08/05/2021
शनि	20/05/2030	29:55:49	वृश्चि	गुरु	मक	24:17:23	चन्द्र	07/11/2021
बुध	25/08/2032	17:36:34	धनु	शुक्र	मक	05:17:24	मंगल	14/03/2022
केतु	01/08/2033	24:23:32	कुंभ	शनि व	मीन	19:44:22	राहु	06/02/2023
शुक्र	01/04/2036	01:46:42	तुला व	राहु व	सिंह	21:09:00	गुरु	25/11/2023
सूर्य	18/01/2037	01:46:42	मेष व	केतु व	कुंभ	21:09:00	शनि	06/11/2024
चन्द्र	20/05/2038	04:14:17	मक	हर्ष	मक	12:14:06	बुध	13/09/2025
मंगल	26/04/2039	00:00:35	मक	नेप	मक	04:23:14	केतु	19/01/2026
राहु	19/09/2041	07:13:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:08:46	शुक्र	19/01/2027

लग्न-चलित

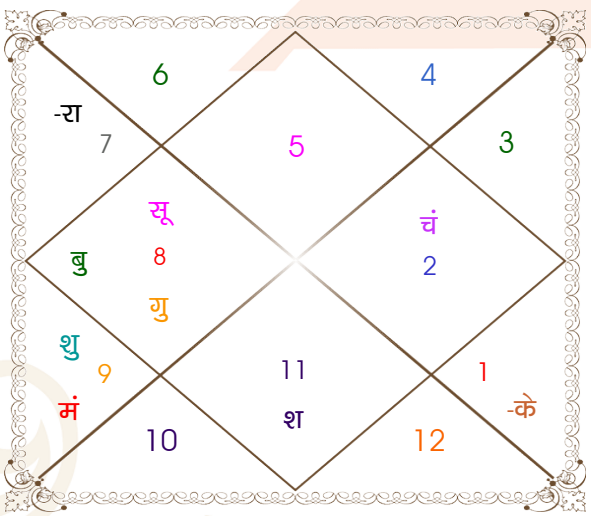

लग्न-चलित

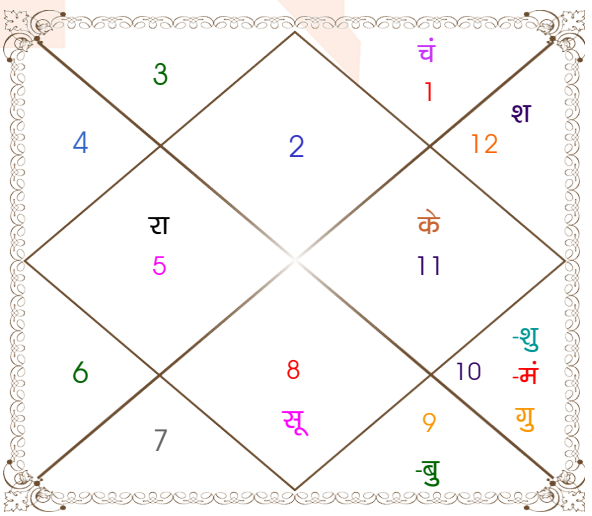

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Sujal का वर्ग मृग है तथा Akirti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sujal और Akirti का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sujal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Akirti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Sujal तथा Akirti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।